भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3577

17 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: खेती में प्रयोग किए जा रहे रसायनों और कीटनाशकों पर नियंत्रण

3577. श्री योगेन्द्र चांदोलियाः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार चावल के दानों, दालों, फलों और सब्जियों की खेती में व्यापक रूप से प्रयोग किए जा रहे विभिन्न रसायनों और कीटनाशकों पर नियंत्रण रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या खाद्य पदार्थों में हानिकारक रसायनों की उपस्थिति के संबंध में शिकायतें दर्ज करने के लिए कोई सरकारी पोर्टल है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) देश में किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कीटनाशक अधिनियम, 1968 और कीटनाशक नियम, 1971 के विभिन्न प्रावधानों को लागू करता है। चावल, दलहन, फलों और सब्जियों की खेती में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जा रहे विभिन्न रसायनों और कीटनाशकों पर निगरानी के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा 11287 कीटनाशक निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है। वर्ष 2023-24 के दौरान कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालाओं में 80,789 कीटनाशक नमूनों का विश्लेषण किया गया जिनमें से 2,222 कीटनाशक नमूने अवमानक पाए गए, जो कुल नमूनों का 2.7% है और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

"राष्ट्रीय स्तर पर कीटनाशक अवशेषों की निगरानी (एमपीआरएनएल)" परियोजना के अंतर्गत देश भर में 35 कीटनाशक अवशेष परीक्षण प्रयोगशालाएँ हैं। विभिन्न कृषि उपज विपणन समिति मंडियों, स्थानीय बाजारों, फार्म गेट से सब्ज़ियाँ, फल, दालें और अनाज जैसे खाद्य पदार्थों तथा सघन कृषि क्षेत्रों से सतही जल, के नमूने लिए जाते हैं, जिनका कीटनाशक अवशेषों के लिए परीक्षण किया जाता है। वर्ष 2019-2024 के दौरान, खाद्य पदार्थों के कुल 1,39,242 नमूनों का परीक्षण किया गया है।

उपभोक्ताओं और खाद्य व्यापार ऑपरेटरों (एफबीओ) की शिकायतें/चिंताएं एफएसएसएआई द्वारा विभिन्न चैनलों (वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप, एफएसएसएआई हेल्पलाइन, व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, आदि) के माध्यम से प्राप्त की जाती हैं और उन्हें एकल पोर्टल यानी फूड सेफ्टी कनेक्ट पोर्टल पर निर्देशित किया जाता है।

******